दिनांक 2 अक्टूबर, 2016 को मोरहाबादी, राँची में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जयंती के अवसर पर झारखण्ड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में माननीया राज्यपाल महोदया का अभिभाषणः–

सर्वप्रथम मैं राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी को नमन एवं उनके प्रति अपनी श्रद्धा–सुमन अर्पित करती हूँ। बापू न केवल बीसवीं शताब्दी के युग पुरूष थे, अपितु आज भी समस्त मानवजाति के लिए प्रेरणास्रोत है।

आज राष्ट्रपिता की जयंती के अवसर पर झारखण्ड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर मुझे अपार प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। गाँधी जी का खादी के प्रति असीम लगाव था। हमारे देश की आज़ादी के आंदोलन में भी खादी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बापू ने खादी के माध्यम से देश के लोगों को आत्मनिर्भर बनने पर बल दिया था। उन्होंने 1920 के दशक में गाँवों में निवास करने वाले लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए खादी के प्रचार–प्रसार पर बहुत जोर दिया। उनका मानना था कि खादी तथा ग्राम उद्योग को अपनाने से लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में सुधार आ सकता है। उन्होंने इन पर सिर्फ उपदेश ही नहीं दिया, बल्कि इसे स्वयं आत्मसात भी किया।

आज हमारे देश ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की है। **''आर्थिक दृष्टि से तेजी से विकास कर रहे''** राष्ट्रों में अहम स्थान है। हम एक सर्वशक्ति सम्पन्न राष्ट्र बनने की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं, जो हमारे लिए गौरव की बात है। इस परिप्रेक्ष्य में यह भी सत्य है कि देश की कुल जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा विकास से कहीं–न–कहीं वंचित रह गया है, यह आज भी अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए जूझ रहा है। ऐसे में लोगों की आधारभूत आवश्यकताएँ पूरी करना देश के समक्ष एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती का उचित उत्तर महात्मा गांधी का विकास मॉडल ''खादी और ग्राम उद्योग'' है। खादी स्वतंत्रता आंदोलन की पहचान रही है, लेकिन अब यह हमारी राष्ट्रीय पहचान के रूप में स्थापित हो चुकी है।

मेरा मानना है कि आज के भूमंडलीकरण के दौर में किसी राष्ट्र/ राज्य की उन्नति में उद्योगों की अहम भूमिका है, उद्योग से मतलब केवल बड़े–बड़े कल–कारखाने ही नहीं है, बल्कि कुटीर तथा लघु उद्योग भी है। इस स्तर पर हस्तशिल्प एवं आधुनिक तकनीकों के साथ खादी को बड़े पैमाने पर अपनाया जाय। इस कार्य में भारत सरकार के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, राज्य खादी बोर्ड के साथ–साथ उद्योग विभाग, हस्तशिल्प

विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है।

खादी आज गाँवों में रहनेवाले बहुत से लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु एक महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है, इसके लिए आवश्यक है कि यह बाजार के माँग एवं कम मूल्य के अनुरूप अपना उत्पाद तैयार करें। खादी कपड़े के प्रति लोगों के नजरिये में आज बदलाव देखने को मिल रहा है। अब फैशन शो जैसे कार्यक्रमों में भी खादी के आकर्षक कपड़े देखने को मिलते है। हमारे युवाओं में भी खादी के प्रति आकर्षण बढ़ा है तथा वे खादी के वस्त्रों का उपयोग कर रहे हैं।

मैं इस अवसर पर झारखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड से कहना चाहूँगी कि वे लोगों के आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए खादी का और व्यापक प्रचार-प्रसार करें। खादी के माध्यम से बेरोजगारों एवं गरीबों को जोड़ने हेतु उन्हें ऋण सुलभ कराने के लिए अपने स्तर से सदैव प्रयासरत रहें। उन्हें समय-समय पर प्रशिक्षण भी सुलभ करायें, ताकि वे उत्कृष्टता प्राप्त कर राष्ट्र निर्माण में अपना सकारात्मक योगदान सुनिश्चित करे।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!